श्री पोट्टी श्रीरामुलु

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

हाल ही में **आंध्र प्रदेश** के मुख्यमंत्री ने तेलुगू लोगों के लिये शहीद श्री पोट्टी श्रीरामुलु के बलिदान को याद करने के लिये उनके सम्मान में एक तेलुगू विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की।

- श्री पोट्टी श्रीरामुलु को **मद्रास से तेलुगू भाषी राज्य** की वकालत करने में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका के लिये सम्मानित किया जाता है। **15 दिसंबर** को उनके बलिदान के कारण भारत में भाषायी राज्यों का निर्माण हुआ।
- **56 दिनों के उपवास** के बाद उनकी मृत्यु से व्यापक हिंसा हुई, जिसके कारण सरकार को **राज्य पुनर्गठन आयोग (दिसंबर 1953) का गठन करना पड़ा**, जिसके फलस्वरूप अक्तूबर 1953 में आंध्र प्रदेश का निर्माण हुआ।
- श्रीरामुलु ने **भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन** में भाग लिया और वर्ष **1930 के** नमक सत्याग्रह में भाग लेने के कारण जेल गए तथा भारत छोड़ो आंदोलन में भी भाग लिया।
- वह महात्मा गांधी के समर्पित अनुयायी और प्रबल समर्थक थे। वह **येरनेनी सुब्रह्मण्यम** द्वारा स्थापित **कोमारवोलू में गांधी आश्रम** में भी शामिल हुए।
- उन्होंने **नेल्लोर के मूलपेटा** स्थित **वेणु गोपाल स्वामी मंदिर** में **दलितों के प्रवेश के अधिकार के समर्थन** में अनशन किया, जिसे अंततः स्वीकार कर लिया गया।

//
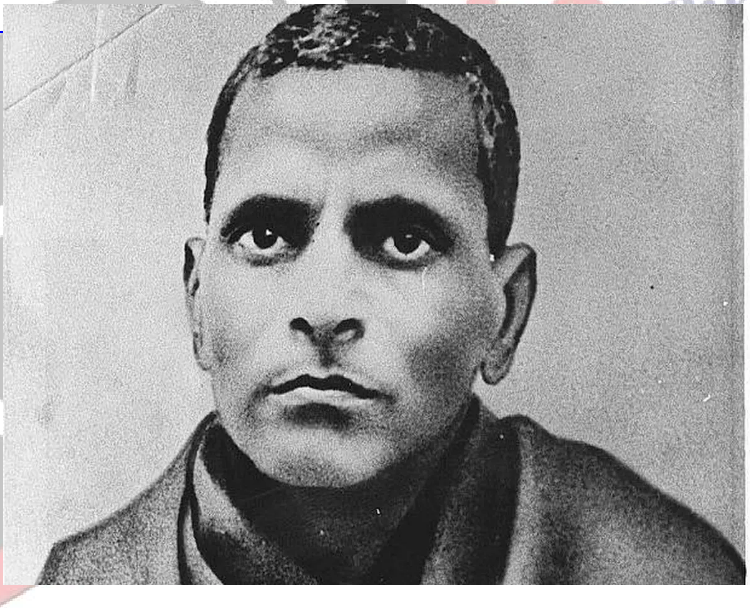

और पढ़ें: राज्य का दर्जा की मांग